केंद पर बनाया जाएगा प्रेशर

लेवी शुगर हटाने के हक में यूपी

[मनमोहन राय *लखनऊ*]

उत्तर प्रदेश के चीफ मिनिस्टर अखिलेश यादव ने गुरुवार को शुगर मिलों को भरोसा दिलाया है कि राज्य सरकार लेवी शुगर को खत्म करने के लिए केंद्र पर दबाव बनाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्केट में ओवरसप्लाई को रोकने के लिए इंपोर्ट ड्यूटी में बढ़ोतरी करने की भी उनकी सरकार मांग करेगी। पिछले कई महीनों से उत्तर प्रदेश की चीनी मिलें वजूद की लड़ाई लड़ रही हैं। राज्य सरकार के गन्ने की कीमत को 40 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ाने से इन कंपनियों की चीनी उत्पादन की लागत बाजार भाव से ज्यादा हो गई है। इससे मिलों को नुकसान उठाना पड़ रहा है।

इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाने की मांग

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि मार्केट में ओवरसप्लाई को रोकने के लिए इंपोर्ट ड्यूटी में बढ़ोतरी करने की भी उनकी सरकार मांग करेगी

यादव ने कहा कि मिलों को अपने प्रोडक्शन का 10 फीसदी हिस्सा केंद्र सरकार को पब्लिक डिस्ट्रिब्यूशन के लिए मार्केट रेट से काफी कम दाम पर देना पड़ता है। उन्होंने शुगर मिलों के डेलिगेशन से कहा है कि शुगर प्रोडक्शन में इस साल 10 से 15 फीसदी की बढ़ोतरी को देखते हुए इसके इंपोर्ट पर पाबंदी लगाई जानी चाहिए। वहीं, पिछले चार साल से गन्ने की सरकारी कीमत में लगातार बढ़ोतरी होने से किसान खुश हैं। इससे गन्ने की बुआई में अच्छी बढ़ोतरी हुई है।

ज्यादा पैदावार से 2012-13 सीजन में राज्य में चीनी का प्रोडक्शन बढ़कर 79 लाख टन पहुंचने की उम्मीद है। पिछले महीने उत्तर प्रदेश सरकार ने गन्ने की राज्य सलाहकारी कीमत (एसएपी) को 40 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ाकर 280 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया था।

यूपी शुगर मिल्स एसोसिएशन के चेयरमैन सी पी पटोदिया ने कहा कि शुगर प्रोडक्शन की लागत इस वक्त 3,600 रुपए प्रति क्विंटल बैठ रही है, जबकि इसकी कीमत 3,250 रुपए प्रति क्विंटल है। इस वजह से शुगर मिलों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

Hindi Economic Times
11/1/13